Today's Poem – 11.07.2014

शान्तिधाम में है अगर चलना

तो सम्पूर्ण पावन बनना

बाप देते हैं हमें गेरेंटी बिगर सजा खाये तुम मेरे घर में चलेंगे

बाबा हमें विश्व की बादशाही अवश्य देंगे

बाप का प्यारा बनने के लिए पूरा फकीर बनना

बाप से बड़े ते बड़ी प्राइज लेने के लिए सम्पूर्ण पावन बनकर दिखाना

वापस घर जाना है इसलिए पुरानी दुनिया से दिल नहीं लगानी

एक माशूक से ही दिल लगानी

हर घड़ी को अन्तिम घड़ी समझ सदा एवररेडी रहना

कोई भी कार्य करते अपनी स्थिति को सदा उपराम रखना

अपने हाथ में लॉ उठाना

यह भी क्रोध का अंश है ना

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!